लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4982

01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

जूट पैकेज सामग्री (वस्तु पैकिंग अनिवार्य प्रयोग) अधिनियम

4982. डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार देश में जूट क्षेत्र के हितों को ध्यान में रखते हुए जूट पैकेजिंग का उपयोग करने में चीनी उद्योग के सामने आ रही चुनौतियों का समाधान किस प्रकार कर रही है;

(ख) चीनी मिलों और थोक उपभोक्ताओं की व्यावहारिक चिंताओं को ध्यान में रखते हुए जूट पैकेज सामग्री (वस्तु पैकिंग अनिवार्य प्रयोग) अधिनियम को लागू करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) सरकार उच्च गुणवत्ता वाले जूट पैकेजिंग की मांग को पूरा करने के लिए बीआईएस–प्रमाणित आपूर्तिकर्ताओं की संख्या बढ़ाने में जूट उद्योग की किस प्रकार सहायता कर रही है; और

(घ) जूट पैकेजिंग में नमी बने रहने के कारण चीनी की गुणवत्ता में गिरावट को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (घ): जूट पैकेजिंग सामग्री अधिनियम, (पैकिंग वस्तुओं में अनिवार्य उपयोग) 1987 कुछ वस्तुओं की आपूर्ति और वितरण में जूट पैकेजिंग सामग्री के अनिवार्य उपयोग का प्रावधान करता है ताकि कच्ची जूट और जूट पैकेजिंग सामग्री के उत्पादन और इससे जुड़े लोगों के हितों की रक्षा हो सके। जेपीएम अधिनियम के प्रावधान के तहत, प्रति वर्ष स्थायी सलाहकार समिति चीनी उद्योग संघ और सहकारी समितियों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ बैठक करती है ताकि जूट सामग्री में पैक की जाने वाली वस्तुओं और उनके प्रतिशत पर उनके मत और राय पर विचार किया जा सके।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) चीनी की पैकेजिंग में इस्तेमाल किए जाने वाले जूट बैग के लिए समय-समय पर तकनीकी मानक जारी करता है। वर्तमान में, बीआईएस विनिर्देशों के अनुसार, टाइप 'सी' और टाइप 'ई' जूट बैग चीनी पैकेजिंग के लिए उपयुक्त हैं। आज तक, चीनी की पैकिंग के लिए जूट बैग की आपूर्ति करने और चीनी उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 37 जूट मिलों को प्रमाणित किया गया है।

***